



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 362]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 6, 1979/भाद्र 15, 1901

No. 362]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 6, 1979/BHADRA 15, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1979

का०आ० 516(अ)/18 एक बी/आई डी आर ए/79 : भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औ० वि० वि०) के आदेश सं० का०आ० 662 (अ) तारीख 7 सितम्बर, 1977 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 खख की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी होने की तारीख के ठीक पूर्व प्रयुक्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (उनसे भिन्न, जो बैंक और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत वायिक्तियों से संबन्धित हैं) जिनका मसर्स आरआर कम्पनी लिमिटेड कलकत्ता अथवा ऐसे औद्योगिक उपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी एक पक्षकार है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू हो परिवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उसके आधीन प्रोद्भूत या उपभूत होने

वाले सभी अधिकार, विशेष अधिकार बाध्यताएं और वायित्व उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औ० वि० वि० विभाग) के आदेश सं० का०आ० 545(अ)/18 एक बी/आई डी आर ए/78 दिनांक 6 सितम्बर, 1978 के आदेश में उक्त आदेश की अवधि 6 सितम्बर, 1979 तक की अवधि के लिये, जिसमें यह दिन सम्मिलित है, एक वर्ष के लिए बढ़ाई गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 6 सितम्बर, 1980 तक की और अवधि के लिये, जिसमें यह दिन सम्मिलित है, एक और वर्ष के लिए और बढ़ा दी जाए ;

अतः अब उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 खख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त आदेश की अवधि 6 सितम्बर, 1980 तक की और अवधि के लिये, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[का०सं० 3/3/74-सी०यू०सी०]

अ०राय, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY,**(Department of Industrial Development)****ORDER**

New Delhi, the 6th September, 1979

S.O. 516(E)/18FB/IDRA/79.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 662(E) dated the 7th September, 1977, (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), had declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs. Khardah Company Limited, Calcutta or the Company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or Company shall remain suspended for a period of one year, and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising there-

under before the said date shall remain suspended for the said period ;

And, whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 545(E)/18FB/IDRA/78, dated the 6th September, 1978, the duration of the said Order was extended for a further period of one year upto and inclusive of the 6th September, 1979 ;

And, whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of one year upto and inclusive of the 6th September, 1980 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 6th September, 1980.

[F. No. 3/3/74-CUC]

B. ROY, Jt. Secy.